राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी

छिंदवाड़ा रोड, नागपुर

जयन्त डिड्डी, भा.रा.से.
प्रधान महानिदेशक (प्रशिक्षण)

प्रिय अधिकारियों और कर्मचारियों,

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ !!!

इस अवसर पर आपसे संवाद करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। भाषा एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा हम अपने विचारों का आदान-प्रदान करते हैं। किसी भी राष्ट्र की एकता और अखण्डता में भाषा अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषा से ही राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है। भारत में हिंदी सांस्कृतिक स्वाधीनता और राष्ट्रीय एकसूत्रता की पहचान है, क्योंकि हिंदी संपूर्ण भारत देश में किसी न किसी रूप में लिखी, पढ़ी, बोली अथवा समझी जाती है।

जैसा कि विदित है कि 14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को 'राजभाषा' के रुप में स्वीकार किया। तब से प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर का दिन 'हिंदी दिवस' के रुप में मनाया जाता है। इस ऐतिहासिक अवसर की सार्थकता तभी है जब हम अपने दैनिक कार्यों में राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए स्वयं संकल्प लें। मुझे विश्वास है कि हमारे सामूहिक, सार्थक और सतत् प्रयासों से हम इस संबंध में निर्धारित विभिन्न लक्ष्यों को अवश्य प्राप्त करेंगे और राजभाषा अपने सच्चे स्वरूप में प्रतिष्ठित होगी। शासकीय सेवक होने के नाते हमारा परम कर्त्तव्य है कि हम राजभाषा अधिनियम, राजभाषा नियम और वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित प्रावधानों तथा समय-समय पर जारी आदेशों, अनुदेशों का अनुपालन करते हुए अपना अधिकाधिक कार्य हिंदी में करें। यह न केवल हमारा संवैधानिक कर्त्तव्य है बल्कि नैतिक उत्तरदायित्व भी है।

आज इस अवसर पर आप सभी से, विशेषकर अधिकारियों से अपील करता हूँ कि आप स्वयं अपने दैनंदिन कामकाज में हिंदी का प्रयोग करें ताकि अधीनस्थ कार्मिकों को भी हिंदी में कार्य करने की प्रेरणा मिल सके। मैं विशेष रूप से देश के भविष्य निर्माता प्रशिक्षु अधिकारियों से अपेक्षा करता हूँ कि वे इस संवैधानिक उत्तरदायित्व को पूरा करने के लिए कृतसंकल्प होकर प्रयत्न करेंगे।

मैं अकादमी परिवार के सभी सदस्यों को हिंदी दिवस पर पुन: सप्रेम शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

जय हिन्द !

जयन्त-डिड्डी

दिनांक : 14 सितंबर, 2023

(जयन्त डिड्डी)